>

Title : Need to stop addition of more castes/tribes in the lists of Scheduled

Castes/Scheduled Tribes.

श्री मारोतराव सैनुजी कोवासे (गडचिरोली-चिमूर): विगत कई वर्षों में अनुसूचित जाति व जनजाति सूची में ऐसी कई जातियों को शामिल किया गया है, जो मूल अनुसूचित जाति व जनजाति सूची में शामिल जातियों से बेहतर स्थिति में है। इन जातियों को मूल अनुसूचित जाति व जनजाति की सूची में शामिल किए जाने से इनमें पहले से ही शामिल सामाजिक आर्थिक दृष्टि से पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ न मिलकर, हाल ही में शामिल की गई जातियों को मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार की आरक्षण संबंधी नीति जरूरतमंद जातियों के अनुकूल साबित नहीं हो रही है। यदि मूल अनुसूचित जाति व जनजाति सूची में अन्य जातियों को शामिल न किया जाये और केवल सामाजिक आर्थिक दृष्टि से पिछड़ी जातियों को ही आरक्षण का लाभ सुनिश्चित किया जाये तभी इन जातियों का उत्थान संभव है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह मूल अनुसूचित जाति व जनजाति की सूची में अन्य जातियों को शामिल किए जाने पर प्रतिबंध लगाए और आरक्षण का लाभ मूल अनुसूचित जाति व जनजाति की सूची में शामिल सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से पिछड़ी जातियों को ही सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक पहल करे।